Tourist Car Coach Carriages

2012. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the total number of Tourist Car Coach Carriages available class-wise (i.e. 1st and 2nd) on the Central Railway, Division-wise;

(b) the total number of applications received in the office of Bombay V.T. for allotment of 1st and 2nd class Tourist Car Coach Carriages during 1st April, 1980 to 31st May, 1980 with date of receipt of each application;

(c) how many of the above said applications have been granted and how many of them rejected and the reasons for rejection;

(d) whether the Central Railway had attached any unreserved/unallotted Tourist Carriage to any trains to be used by general passengers during the above said period; and

(e) if so, the details of such train numbers date-wise?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) 6 First Class Tourist Cars and 13 Second Class Tourist Cars are in Bombay Division and one Second Class Tourist Coach each is in Jhansi, Jabalpur, Bhausaval and Nagpur Divisions.

(b) A total of 11 applications for First Class Tourist Car and 107 applications for Second Class Tourist Car were received for allotment during the period 1st April, 1980 to 31st May, 1980. Details of the applicants alongwith date of application are given in the statement laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-969/80].

(c) Out of 11 applications for First Class Tourist Car, 4 applications were withdrawn and 6 were accepted and one was regretted due to non availability of First Class Tourist Car. In case of Second Class Tourist Cars, 21 applications were withdrawn, 2 applicants did not fulfil the conditions and in case of 7 allotment was regretted on account of vigilance inquiry. Out of remaining 77 cases, 52 cases were accepted for allotment of either Second Class Tourist Cars or in the alternative ordinary bogies and remaining 25 were regretted due to non-availability of Second Class Tourist Cars or ordinary bogies.

(d) No.

(e) Does not arise.

रेलवे स्टेशनों पर दूध केन्द्र

2013. **श्री भगवान देव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पता है कि रेलवे स्टेशनों पर अधिकांशत: छोटे बच्चों तथा बूढ़े और बीमार व्यक्तियों तक के लिए भी दूध नहीं मिलता है और यदि कभी मिलता भी है तो वह बहुत खराब किस्म का होता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार सरकारी दुग्धशालाओं को समस्त रेलवे स्टेशनों पर अपने विक्रय केन्द्र खोलने के लिए कहने का है ताकि यात्रियों को निर्धारित मूल्यों पर शुद्ध दूध उपलब्ध हो सके; और

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में क्या कठिनाई है?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से (ग). भारतीय रेलों के सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर दूध उपलब्ध होता है। अनेक महत्वपूर्ण स्टेशनों पर दूध की बिक्री के लिए दूध की अलग दुकानें होती हैं और ठेके की शर्तों के अनुसार अधिकांश चाय स्टाल और खानपान प्रतिष्ठानों मांग करने पर, यात्रियों को दूध सप्लाई करते हैं। कुछ स्टेशनों पर दूध की दुकानें पहले से ही सरकारी और सहकारी डेरियों द्वारा चलायी जा रही हैं और नीति के रूप में रेलें खानपान प्रतिष्ठानों के लिए दूध की

सप्लाई प्राप्त करने के लिए सरकारी और सहकारी डेरियों को प्राथमिकता देती है। लेकिन, रेलों का अनुभव रहा है कि सरकारी और सहकारी डेरियां न तो विभागीय खानपान प्रतिष्ठानों के लिए दूध की मांग पूरी करने में समर्थ हैं और न ही वे क्षेत्रीय रेलों द्वारा अनुरोध किये जाने के बावजूद रेलवे स्टेशनों में दूध की दूकानें खोलने की स्थिति में हैं। रेलों का यह प्रयास रहा है कि यात्रियों को शुद्ध और ताजा दूध मुहैया किया जाए और घटिया दूध की सप्लाई की स्थिति में, निवारक कार्रवाई की जाती है।

Meeting of Representatives of All India Station Masters' Association with Minister

2014 SHRI A. K. ROY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there was a meeting of the representatives of All India Station Masters' Association with him on 24th August, 1978 and adviser Industrial Relations and other officers of the Railway Board on 26th August, 1978 on their charter of demands;

(b) if so, details of the charter of demands; and

(c) action taken by the Ministry to redress each item of demands?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes.

(b) There were a number of demands put forward by the Association which *inter alia* included the following:

(i) Restructuring of pay scales;

(ii) Time bound promotion on seniority;

(iii) Rent free quarters;

(iv) Grant of Gazetted holidays; etc.

(c) In accordance with Government's policy, staff representations received from any source are given due consideration and action as considered necessary is taken. The demands contained in the memorandum submitted by the All India Station Masters' Association have been dealt with within the framework of this policy.

विदेशों में जा रहे भारतीय श्रमिकों को सहायता

2015. **श्री कुम्भा राम आर्य:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कुशल और अकुशल भारतीय श्रमिक रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में विदेशों में जा रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो उनकी सुविधा और सहायता के लिये सरकार द्वारा किये गये, प्रबन्धों का ब्यौरा क्या है ताकि उनके लिये सुचारु और किफायती यात्रा सुनिश्चित की जा सके?

विदेश मंत्री (श्री पी. वी. नरसिंह राव): (क) जी हां।

(ख) वर्तमान आधार पर सरकार से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह इस सम्बन्ध में कोई व्यवस्था करे। इस प्रकार की सारी व्यवस्था नियोक्ता द्वारा प्राधिकृत भर्ती एजेंटों के माध्यम से की जाता है।

Steps taken to improve the working of Railways

2016. SHRI B. K. NAIR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any steps have been taken since the present Ministry assumed office to improve the working of Railways, especially in matter like adherence to service schedule punctuality and elimination of corruption;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the result thereof?